आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 303 | उज्जैन, सोमवार 22 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी स्मृतियों को संजोकर तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है राज्य सरकार-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सैनिक कल्याण कोष में 22 लाख रूपए का योगदान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवने कहा कि राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी स्मृतियों को संजोने और उनसे जुड़े स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के लिये अनुकूल समय है, जब राष्ट्र के हित में सही निर्णय हो रहे हैं। विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को वृंदावन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे भगवान कृष्ण कन्हैया की पावन धरा पर पहुंचे हैं। यहां पहुंचने पर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं याद आती हैं जो आज भी समसामयिक हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने विशाल दृष्टिकोण और गरीबों के प्रति उदार भाव रखने की शिक्षा दी। मध्यप्रदेश की धरती पर सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने से लेकर सुदामा के साथ मैत्री, रुकमणी से विवाह और भगवान परशुराम से सुदर्शन चक्र प्राप्त करने के प्रसंग घटित हुए। इस नाते मध्यप्रदेश भी गौकुल का आनंद प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वृंदावन धाम स्थित केशव नगर पहुंचकर साध्वी सरस्वती दीदी की श्रीमद भागवत कथा का श्रवण किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। साध्वी सरस्वती दीदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा मध्यप्रदेश में गौवंश संरक्षण, कृष्ण पाथेय के विकास के लिए की गई पहल और वैदिक घड़ी की स्थापना, भारतीय संस्कृति से युवा पीढ़ी को अवगत करवाने के प्रयासों की सराहना की। साध्वी सरस्वती दीदी ने सैनिक सहायता कोष के लिए साध्वी सरस्वती फाउंडेशन, वृंदावन की ओर से 11 लाख रुपए की राशि का चेक मुख्यमंत्री डॉ यादव को प्रदान किया।

ट्रिब्यूनलों के कुछ गैर-न्यायिक सदस्य सरकार के खिलाफ आदेश देने से कतराते हैं- CJI

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि न्यायाधिकरणों के कुछ गैर-न्यायिक सदस्य, जोकि आमतौर पर पूर्व नौकरशाह होते हैं, सरकार के खिलाफ कोई भी आदेश पारित करने से कतराते हैं। उन्होंने इन सदस्यों से इस विषय पर विचार करने का अनुरोध किया।

चीफ जस्टिस गवई ने इन मुद्दों को उठाया- केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के 2025 के 10वें अखिल भारतीय सम्मेलन में सीजेआइ ने कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में ट्रिब्यूनलों (न्यायाधिकरणों) और न्याय वितरण प्रणाली से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाया।

प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि प्रशासनिक ट्रिब्यूनल न्यायालयों से भिन्न होते हैं क्योंकि वे कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक विशेष स्थान रखते हैं तथा उनके कई सदस्य प्रशासनिक सेवाओं से आते हैं जबकि अन्य न्यायपालिका से आते हैं।

उन्होंने कहा कि यह विविधता एक ताकत है क्योंकि यह न्यायिक कौशल और प्रशासनिक अनुभव को एक साथ लाती है, लेकिन यह आवश्यक है कि सदस्यों को लगातार प्रशिक्षित किया जाए और पात्रता तथा आचरण के समान मानकों का पालन कराया जाए।

बुलेट ट्रेन की पांच किमी लंबी सुरंग का निर्माण पूरा, रेल मंत्री ने श्रमिकों से हाथ मिलाकर बढ़ाया उत्साह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की पहली बुलेट ट्रेन के ट्रैक निर्माण में शनिवार को एक महत्वपूर्ण प्रगति हासिल हुई। इसके ट्रैक में आने वाली पांच किलोमीटर लंबी एक सुरंग की खोदाई का काम पूरा हो गया। इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव स्वयं उपस्थित थे।

नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) द्वारा तैयार की जा रही मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में मुंबई के निकट शीलफाटा से घनसोली को जोड़ने वाली 4.88 किलोमीटर लंबी सुरंग की खोदाई का काम पूरा गया।

यह काम रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में शनिवार सुबह पूरा हुआ, जब सुरंग के घनसोली वाले सिरे को एक विस्फोट करके खोला गया। यह सुरंग बुलेट ट्रेन के मुंबई में बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स स्थित शुरुआती स्टेशन को ठाणे के शीलफाटा से जोड़ने वाले 21 किलोमीटर के भूमिगत ट्रैक का हिस्सा है।

इस मार्ग का सात किलोमीटर का हिस्सा ठाणे में समुद्री खाड़ी के नीचे से गुजर रहा है। इसकी खोदाई न्यू आस्ट्रियन टनल विधि (एनएटीएम) का उपयोग करके की गई थी।

ट्रेन से भाग रहा था 16 करोड़ का घोटालेबाज, ED ने अहमदाबाद में रुकवा ली रेलगाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने बुधवार को दो राज्यों में 13 घंटे से अधिक समय की छापामार कार्रवाई की। इस कार्रवाई के बाद बीओआई के निलंबित अधिकारी हितेश सिंगला को गिरफ्तार कर लिया गया।

दरअसल, हितेश सिंगला पर वरिष्ठ नागरिकों, नाबालिकों, मृतक ग्राहकों और निष्क्रिय खाताधारकों के 127 खातें से 16.10 करड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप लगा है।

ट्रेन से हुई निलंबित अधिकारी की गिरफ्तारी- बताया जा रहा है कि धोखाधड़ी का खुलासा होने के बाद कथित तौर पर फरार चल रहे सिंगला को बुधवार को तड़के सुबह अहमदाबाद में ईडी अधिकारियों ने उज्जैन-वेरावल को रोककर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि सिंगला जांच अधिकारियों को चकमा देकर ट्रेन में के ही डब्बों में बार-बार बदलाव करते हुए भागने कोशिश कर रहा था।

ईडी के अधिकारियों ने उन्हें बाद में मुंबई में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें वहां से ईडी की हिरासत में भेज दिया।

जानिए क्या है पूरा मामला- अभी तक की जानकारी के अनुसार, सिंगला की धोखाधड़ी करीब दो सालों तक चली। अधिकारियों ने इसको जानबुझकर दुर्भावना और आपराधिक इरादे के रूप में बताया है।

जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी- अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 10 वर्षों में देश के तीन संवेदनशील क्षेत्रों जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है।

शाह ने यह भी कहा कि माओवाद को 31 मार्च, 2026 तक समाप्त कर दिया जाएगा और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस नीति अपनाई गई है। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे उदाहरण दिए।

उन्होंने कहा कि यदि दुनिया में कोई भी संकट प्रबंधन सीखना चाहता है तो वह पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के कोविड प्रबंधन का अध्ययन कर सकता है।

अमित शाह ने कहा- जब दुनिया भर की सरकारें कोविड के खिलाफ अकेले लड़ रही थीं, तब भारत में केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और 140 करोड़ लोग इस लड़ाई में एक साथ आए और इसी सामूहिक शक्ति के कारण हम सफल हुए। यह मोदी के मजबूत नेतृत्व के कारण ही संभव हुआ। शाह ने मोदी के कार्य करने के तरीके पर भी चर्चा की। आगे कहा- कैबिनेट में चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री कभी भी किसी निर्णय को प्रभावित नहीं करते। जो भी निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाता है, वह मोदी का निर्णय बन जाता है। मैंने आज तक मोदी से बेहतर श्रोता नहीं देखा। उन्होंने कहा कि पहले गुजरात में सीएम रहते मोदी ने समावेशी विकास के लिए काम किया और अब वह देश में भी यही कार्य कर रहे हैं।

एकनाथ शिंदे का X अकाउंट हैक, पोस्ट की गई पाकिस्तान और तुर्किए के झंडे की तस्वीरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का एक्स अकाउंट कुछ देर के लिए हैकर्स ने हैक कर लिया। इतना ही नहीं, डिप्टी सीएम के आधिकारिक अकाउंट से पाकिस्तान और तुर्की के झंडों की तस्वीरें पोस्ट की गईं। इसके बाद अधिकारियों में हड़कंप मच गया। इस दौरान हैकरों ने दोनों देशों के झंडे की तस्वीरों को पोस्ट करने के साथ लाइव स्ट्रीमिंग। वह भी उन्होंने यह उस दिन किया, जब रविवार को भारत और पाकिस्तान एशिया कप में अपना दूसरा मैच खेलने वाले हैं।

शुभो महालया..., दुर्गा पूजा से पहले पीएम मोदी ने शेयर किया पोस्ट; सीएम ममता ने भी दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों को महालया की शुभकामनाएं दी हैं। महालया का पर्व दुर्गा पूजा से ठीक एक दिन पहले मनाया जाता है, जिसे लेकर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर की है।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, आप सभी को शुभ महालया की हार्दिक शुभकामनाएं! दुर्गा पूजा का पवित्र दिन नजदीक आ गया है, इस खास मौके पर हमारा जीवन प्रकाश और उद्देश्य से भर जाए एंव मां दुर्गा के आशीर्वाद से आप सभी को अटूट शक्ति, खुशी और बेहतर स्वास्थ्य का वरदान मिले।

क्यों खास है महालया का पर्व- बता दें कि महालया श्राद्ध या पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है। हिंदू धर्म के अनुसार, पिछले 16 दिनों तक पितृों का वास होता है, जो दुर्गा पूजा के आगमन के साथ खत्म हो जाता है।

दुर्गा पूजा का पर्व पश्चिम बंगाल में काफी महत्व रखता है। वहीं, महालया से दुर्गा पूजा के आगाज की उल्टी गिनती शुरू हो जाती है। महालया के दिन कारीगर मां दुर्गा की प्रतिमा की आंखें रंगी जाती हैं। इस पर्व को पश्चिम बंगाल में चोखू दान कहा जाता है।

पीएम मोदी के अलावा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा- तन, अगोमोनी और अबाहन के अवसर पर मैं सभी को महालया की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। इस अवसर पर मैं आप सभी के साथ अपना लिखा और संगीतबद्ध एक नया पूजा गीत भी साझा कर रही हूं।

देवी पक्ष की शुरुआत- मान्यता है कि महालया से देवीपक्ष की शुरुआत हो जाती है, जो 10 दिन तक चलता है। पूरे देश में इसे दुर्गा पूजा के पर्व के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म के अनुसार, इस दौरान मां दुर्गा ने राक्षस महिषासुर का वध करने के लिए धरती पर प्रगट हुई थीं। यह पर्व बुराई पर अच्छाई के जीत को दर्शाता है।

अफगानिस्तान में बढ़ रहा बोटोक्स अंडर बुर्का का ट्रेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबानी शासन ने कई प्रकार की सख्त पाबंदियां लगा रखी हैं। इस पाबंदियों और गरीबी के बावजूद भी अफगानिस्तान में बोटोक्स अंडर बुर्का का ट्रेंड इस समय लगाता बढ़ रहा है।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में कॉस्मेटिक्स सर्जरी क्लीनिक अब तेजी से फलःफूल रही है। यहां पर महिलाओं में बोटॉक्स, लिप फिलर और हेयर ट्रांसप्लांट कराने की होड़ मची है।

काबुल में चल रहे 20 से ज्यादा कॉस्मेटिक्स क्लिनिक - सामने आई जानकारी पर नजर डालें, तो केवल राजधानी काबुल में 20 से अधिक कॉस्मेटिक्स क्लिनिक हैं। ये विदेशी चिकित्सकों की मदद से अफगान डॉक्टरों को ट्रेनिंग देने का भी काम कर रहे हैं। सबसे खास बात है कि इन क्लिनिक में बुर्का पहने महिलाएं बोटोक्स के लिए आ रही हैं। सबसे हैरान करने वाली बात है कि पुरुष भी हेयर ट्रांसप्लांट के लिए यहां पर पहुंच रहे हैं।

तालिबान सरकार ने महिलाओं के लिए किसी भी विश्वविद्यालय, पार्क और जिम जाने पर रोक लगा दी है। वे बिना किसी पुरुष की अभिभावक के किसी भी लंबी यात्रा पर नहीं जा सकती हैं। इतना ही नहीं वह ऊंची आवाज में अपने घर में भी बात नहीं कर सकती हैं।

कर्ज लेकर करा रहे हेयर ट्रासप्लांट- चूंकि तालिबान सरकार ने पुरुषों के लिए मुट्ठी भर लंबी दाढ़ी रखना अनिवार्य कर दिया है। इसके चलते हेयर ट्रांसप्लाट का चलन काफी बढ़ गया है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि काबुल के किसी भी एक क्लिनिक में बोटॉक्स की कीमत 3,601 रुपये से 7000 रुपये के बीच में है। वहीं, हेयर ट्रासप्लांट की कीमत 21000 रुपये से 42000 रुपये के बीच है। कई लोग से ये सुविधाएं लेने के लिए कर्ज भी ले रहे हैं।

तालिबान में ब्यूटी पार्लर को बंद किया गया- अफगानिस्ता में तालिबान शासन के बाद महिलाओं के लिए ब्यूटी पार्लर और हेयर सैलून बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, कॉस्मेटिक सर्जरी पर किसी प्रकार की रोक नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसको एक मडिकल ट्रीटमेंट माना जाता है। इसलिए सरकार इसमें दखल नहीं देती।

इस दौरान इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि पुरुष का उपचार पुरुष ही करे और महिला का उपचार महिला ही करे। कुछ क्लीनिक स्टाफ ने दावा किया कि तालिबान के सदस्य भी उनके क्लाइंट हैं।

हमें नीचे उतार दो..., H-1B वीजा पर ट्रंप के एलान के बाद अमेरिका से भारत आ रही फ्लाइट में मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिन जब ट्रंप ने H-1B वीजा की फीस बढ़ाने की घोषणा की, तो अमेरिका की एक फ्लाइट में अचानक अफरा-तफरी मच गई। फ्लाइट में बैठे भारतीयों से तुरंत नीचे उतरने के लिए कहा गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए H-1B वीजा की फीस 1,00,000 डॉलर (लगभग 90 लाख रुपये) करने का एलान किया। कुछ ही घंटों में यह खबर हर तरफ आग की तरह फैल गई।

अमेरिका में रिएंट्री का था डर- इसी बीच अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से एक फ्लाइट में हड़कंप मच गया। भारत के लिए रवाना होने वाली इस फ्लाइट से यात्री एक-एक करके नीचे उतरने लगे। सभी यात्रियों को डर था कि अगर वो गए, तो उन्हें दोबारा अमेरिका में एंट्री नहीं मिलेगी।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि विमान उड़ान भरने के तैयार खड़ा है। तभी दर्जनों भारतीय फ्लाइट छोड़कर नीचे उतरने लगते हैं।

एक यूजर ने फ्लाइट का वीडियो शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा- भारतीयों से भरा एक अंतरराष्ट्रीय विमान उड़ान भरने वाला था, तभी H-1B वीजा पर खबर सामने आई। इससे भारतीयों में हड़कंप मच गया और सभी विमान से नीचे उतरने की गुजारिश करने लगे।

3 घंटे की देरी से उड़ा विमान- हालांकि, इस वीडियो की पुष्टि नहीं की जा सकती है। मगर, वीडियो में दावा किया गया है कि इस घटना के कारण फ्लाइट ने 3 घंटे की देरी से उड़ान भरी। बता दें कि ट्रंप ने H-1B वीजा की फीस रातोंरात बढ़ा दी।

5189 वीजा मिलने के बाद कंपनी ने 16000 अमेरिकियों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के H-1B वीजा को लेकर पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया है। सबके मन में एक ही सवाल है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप ने रातों रात H-1B वीजा की फीस क्यों बढ़ा दी? इसके जवाब में व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट जारी की है।

व्हाइट हाउस की इस फैक्ट शीट के अनुसार, कई अमेरिकी कंपनियां H-1B वीजा के जरिए अन्य देशों से आए लोगों को कम सैलरी में काम देती हैं और भारी संख्या में अमेरिकियों को नौकरी से निकाल देती हैं।

फैक्ट शीट में क्या-क्या- व्हाइट हाउस का कहना है, 2023 में आईटी के क्षेत्र में H-1B वीजा की मांग 32 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 65 प्रतिशत हो गई है। इससे पता चलता है कि H-1B वीजा के कारण अमेरिकी युवाओं में बेरोजगारी बढ़ रही है।

व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट के अनुसार, हाल ही में कंप्यूटर साइंस से स्नातक करने वाले 6.1 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं और कंप्यूटर इंजीनियरिंग करने वाले 7.5 प्रतिशत युवाओं के पास नौकरी नहीं है। इतिहास समेत अन्य विषयों में यह आंकड़े और भी अधिक हैं।

अमेरिकी युवाओं की नौकरी जाने का दावा- व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट में दावा किया गया है कि STEM क्षेत्रों में सिर्फ 44.5 प्रतिशत नौकरियां ही बढ़ी हैं। हालांकि, 2000-2019 के बीच में STEM क्षेत्र में विदेश से आने वाले कर्मचारियों की संख्या दोगुनी हो गई है।

तुरंत अमेरिका लौट आओ, मेटा-माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब Google ने भेजा ई-मेल; ट्रंप के फैसले से फैला खौफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने H-1B वीजा के लिए 1 लाख अमेरिकी डॉलर फीस लगाने का फैसला किया है। इस फैसले के बाद से अमेरिका की टेक कंपनियां सकते में हैं। गूगल से लेकर मेटा और माइक्रोसॉफ्ट से लेकर अमेजन तक में कई कर्मचारी H-1B वीजा होल्डर हैं। कल मेटा, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट ने इस संबंध में अपने विदेशी कर्मचारियों को ईमेल भी लिखा था।

वहीं अब गूगल ने भी ईमेल लिखकर कर्मचारियों को तुरंत अमेरिका लौट आने के लिए कहा है। गूगल ने एक मेमो जारी कर कहा है कि अगर आप अमेरिका के बाहर हैं, तो 21 सितंबर रविवार की सुबह 12:01 AM तक वापस लौट आएं। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को इंटरनेशनल यात्रा से भी बचने की सलाह दी है।

कंपनी ने तुरंत लौटने को कहा- गूगल ने अपने मेमो में लिखा, नई पॉलिसी के तहत आपको अमेरिका से बाहर जाने पर परेशानी हो सकती है या री-एंट्री नहीं मिलेगी। हम समझते हैं कि इससे कुछ दिक्कतें हो सकती हैं, लेकिन हम आपका सपोर्ट करने के लिए तत्पर हैं। हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जैसे ही कोई नई जानकारी मिलेगी, आपको अपडेट करेंगे।

अमेरिका में कॉमेडी शो के दौरान बुजुर्ग को पड़ा दिल का दौरा, लेकिन लोगों से ऐसे बचा ली जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक कॉमेडी शो के दौरान दर्शकों में बैठे व्यक्ति को हार्ट अटैक आ गया। इस घटना से पूरे शो में हड़कंप मच गया। व्यक्ति की सांसें थमने वाली थी कि वहां मौजूद ऑडियंस की वजह से उसकी जान बच गई।

यह मामला ड्रियू लिंच के कॉमेडी शो का है, जिसका वीडियो लिंच ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया है। इस घटना के बाद स्टेज पर खड़े लिंच इमोशनल हो गए और फफक-फफक कर रोने लगे।

शो के बीच में पड़ा दौरा- वीडियो में देखा जा सकता है कि लिंच के शो में अचानक अफरा-तफरी मच जाती है। पूछने पर पता चलता है कि किसी को दिल का दौरा पड़ गया है। भीड़ में कोई चिल्लाता है कि मैं 911 पर फोन कर रहा हूं।÷ तभी कुछ लोग व्यक्ति को सीपीआर देते हैं। हालांकि उसकी सांसें थमने लगती हैं।

इसी बीच कोई चिल्लाता है कि सांसें वापस आ रही हैं। लिंच ने इंस्टाग्राम पर घटना की जानकारी देते हुए कहा, 5 मिनट तक उनकी पल्स नहीं चलीं। शो में अजनबियों के कारण उनकी जान बच गई। उस रात चमत्कार हुआ था। उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

लिंच ने सेट पर कहा- मैं तो समझ ही नहीं पाया कि क्या हुआ? मगर, भीड़ में मौजूद कुछ लोग तुरंत एक्टिव हो गए। बिना एक-दूसरे को जाने पहचाने, बिना किसी घमंड के बस साथ आकर सबकी मदद की। मैं एक कॉमेडियन हूं, लेकिन आज इमोशनल हो गया हूं।

हाथ-पैर बांधे, ट्यूब से दूंसा खाना... चीन में कोरोनावायरस की सूचना देने वाली पत्रकार को फिर जेल की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस चीन से निकलकर कोरोनावायरस पूरी दुनिया में फैला था और लाखों लोगों की जान ले ली थी, उसी चीन में पहली बार कोरोनावायरस की जानकारी देने वाली महिला पत्रकार को फिर से 4 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। चीन कभी नहीं चाहता था कि कोरोनावायरस को फैलाने का आरोप उस पर लगे। इस कारण वह हमेशा दुनिया से इसे लेकर झूठ बोलता रहा।

लेकिन झांग झान नाम की इस पत्रकार ने न सिर्फ दुनिया को चीन में फैले इस खतरनाक वायरस की जानकारी दी, बल्कि फोटो और वीडियो शेयर कर चीन का नकाब भी उतार दिया था। इस से खुन्नस खाए चीन ने पहले झांग को 4 साल की सजा सुनाई थी। अब एक बार फिर से उन्हें 4 साल के लिए जेल भेज दिया गया है।

पहले भी 4 साल के लिए भेजा गया जेल- रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के मुताबिक, चीन में 42 साल की झांग झान पर झगड़ा करने और अशांति फैलाने का आरोप लगा है। इसी के आधार पर उन्हें फिर से 4 साल की सजा सुनाई गई है। इसी आरोप में उन्हें इसके पहले दिसंबर 2020 में भी 4 साल के लिए जेल भेजा गया था। जेल में भी झांग के साथ काफी बदसलूकी की गई थी।

जेल भेजे जाने के बाद जांग ने भूख हड़ताल शुरू कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने उनके हाथ-पैर बांध दिए थे और उन्हें ट्यूब से जबरन खाना खिलाया जाता था। झांग को मई 2024 में रिहा कर दिया गया था। लेकिन 3 महीने बाद ही उन्हें फिर से हिरासत में ले लिया गया था।

अमेरिका की पिज्जा फैक्ट्री में हादसा, रोबोटिक मशीन से कर्मचारी की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के वेस्ट मिल्वौकी में एक पिज्जा वर्कर की अचानक मौत हो गई। इस मौत की वजह रोबोटिक मशीन है। यह हादसा पिज्जा फैक्ट्री में ही हुआ, जब रोबोटिक मशीन ने कुचलकर पिज्जा कर्मचारी की हत्या कर दी। इस हत्याकांड से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

यह मामला सुबह के लगभग 6:30 बजे का है। मिल्वैकी में पलेर्मो पिज्जा फैक्ट्री मौजूद है। यहां एक 45 वर्षीय रॉबर्ट चेरान काम कर रहा था। तभी पिज्जा बेस बनाने वाली मशीन में फंसने के कारण उसकी जान चली गई।

कैसे हुआ हादसा- फैक्ट्री में मौजूद लोगों ने चेरान को बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चेरान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हालांकि, चेरान पिज्जा मशीन में कैसे फंसे? इसका अभी तक खुलासा नहीं हो सका है।

फॉक्स न्यूज के अनुसार मिल्वौकी पुलिस घटना की जांच कर रही है। पिज्जा कंपनी के प्रवक्ता रेबेका शिमके के अनुसार, आज सुबह एक दुखद घटना में कर्मचारी की मौत हो गई। इस घटना की जांच की जा रही है। हमारी कंपनी जांच एजेंसियों की पूरी मदद कर रही है। हम मृतक के परिवार की हर संभव सहायता करने की कोशिश करेंगे।

छात्रा ने ऑपरेशन सिंदूर पर किया था आपत्तिजनक पोस्ट, अब बॉम्बे HC ने की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे की 19 साल की एक छात्रा ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट डाला था, जिसके बाद उन पर स्वढ्रक्र दर्ज की गई थी। इस मामले को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि सिर्फ सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट करने से और माफी मांगने से किसी छात्रा के खिलाफ दर्ज स्वढ्रक्र को खत्म नहीं किया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंकड़ की बेंच ने साफ कहा कि अच्छी स्टूडेंट होने का मतलब यह नहीं है कि स्वढ्रक्र अपने-आप खत्म हो जाएगी। छात्रा की ओर से कोर्ट में कहा गया था कि उसका कोई गलत इरादा नहीं था। उसने तुरंत पोस्ट हटाकर माफी भी मांगी।

छात्रा की वकील ने क्या दलील दी- छात्रा की वकील ने दलील दी कि गिरफ्तारी के बाद लड़की अपनी परीक्षा दी और अच्छे अंक भी पाए। लेकिन कोर्ट ने कहा कि केवल पढ़ाई में अच्छा होना एफआईआर रद करने का आधार नहीं हो सकता है। बेंच ने यह भी कहा कि पोस्ट हटाने से मामले और उलझ जाता है क्योंकि इससे साफ होता है कि लड़की को अपनी गलती का अहसास था।

क्या पोस्ट किया था- अब कोर्ट ने सरकारी वकील से केस डायरी मंगवाने का निर्देश दिया है और सुनवाई दो हफ्ते बाद तय की गई है। यह मामला 7 मई का है, जब छात्रा ने इंस्टाग्राम पर रिफॉर्मिस्तान नामक अकाउंट से एक पोस्ट शेयर की थी। उस पोस्ट में भारत सरकार पर पाकिस्तान से युद्ध भड़काने का आरोप लगाया गया था।

हालांकि, दो घंटे के भीतर ही लड़की ने पोस्ट हटा दी थी क्योंकि उसे धमकियां मिल रही थीं। बावजूद इसके, उसके खिलाफ FIR दर्ज हुई और उसे गिरफ्तार भी किया गया था।

छद्म युद्ध, आईएस भारत के लिए बड़ी प्रमुख चुनौतियां, एनआइए प्रमुख बोले- हमें लोकतंत्र मजबूत करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनआइए के प्रमुख सदानंद दाते ने शनिवार को कहा कि छद्म युद्ध (प्रॉक्सी वॉर) और आईएस भारत के लिए बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जिम्मेदार संस्थानों के भीतर भ्रष्टाचार को समाप्त करना होगा।

आईएस देश के लिए बड़ा खतरा- पुणे में एक कार्यक्रम में भारत की आंतरिक सुरक्षा और इसकी चुनौतियां विषय पर व्याख्यान देते हुए एनआइए प्रमुख ने कहा, छद्म युद्ध और आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट (आइएस) देश के लिए बड़ा खतरा हैं। कुछ देश छद्म युद्धों के जरिये हमारी प्रगति में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें लोकतंत्र को मजबूत करना होगा।

एनआइए प्रमुख ने कहा कि भारत को आतंकवाद, माओवाद, अलगाववाद और पूर्वोत्तर में बांग्लादेश और म्यांमार से घुसपैठ सहित कई आंतरिक खतरों का सामना करना पड़ रहा है। हमने इनमें से कई चुनौतियों पर काबू पा लिया है। हमारा संविधान और लोकतंत्र, साथ ही स्वतंत्र न्यायपालिका, हमारी सबसे बड़ी उपलब्धियां हैं, क्योंकि इन्हीं ने हमें सफल होने में सक्षम बनाया है।

असम राइफल्स के काफिले पर हमले के बाद एक्शन में पुलिस, दो को हिरासत में लिया; वैन भी जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में पिछले दिनों असम राइफल्स के काफिले पर हमला हुआ था। इस हमले में दो जवान बलिदान हो गए और पांच अन्य घायल हो गए थे। वहीं, अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में इस्तेमाल की गई एक वैन को भी घटनास्थल से करीब 12 किलोमीटर दूर से बरामद की गई।

पुलिस ने इस मामले को लेकर जांच शुरू की है। इस बीच मणिपुर से दो लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने कहा कि इस घटना में शामिल वैन के कई मालिक हैं, जिनकी पहचान की जा चुकी है।

पुलिस ने क्या कहा- पुलिस ने एक बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान, राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में रही। नाम्बोल सबल लेईकाई में हुई घटना, जिसमें असम राइफल्स के दो जवान शहीद हुए थे, के बाद सुरक्षा बलों ने शांतिपुर और इशोक इलाकों में व्यापक अभियान चलाया

असम राइफल्स के दो जवान बलिदान- जानकारी दें कि शुक्रवार को असम राइफल्स के दो जवान बलिदान हो गए। दोनों जवानों की पहचान नायब सूबेदार श्याम गुरुंग और राइफलमैन रंजीत सिंह कश्यप के रूप में हुई है।

दरअसल, शुक्रवार को मणिपुर के इंफाल के बाहरी इलाके में आतंकवादियों के एक समूह द्वारा उनके ट्रक पर घात लगाकर किए गए हमले में शहीद हो गए।

वास्तु दोष या कोई और वजह... नई सचिवालय बिल्डिंग में क्यों नहीं बैठते हैं सीएम रेवंत रेड्डी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के सीएम ए. रेवंत रेड्डी इन दिनों राज्य सचिवालय की नई बिल्डिंग में बैठना नहीं पसंद करते हैं। रेवंत रेड्डी से जुड़े कुछ लोगों का कहना है कि जब किसी प्रतिनिधि से मिलना होता है, या फिर किसी मेहमान से मुलाकात करनी होती है, तो सीएम इस बिल्डिंग में जाते हैं।

दरअसल, सूबे के सीएम रेवंत रेड्डी अपने सभी काम बंजारा हिल्स स्थित हाई सिक्योरिटी वाले तेलंगाना पुलिस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से कर रहे हैं। हालांकि, राज्य सचिवालय की नई बिल्डिंग में ही मंत्रियों, मुख्य सचिवों समेत शीर्ष अधिकारियों के दफ्तर हैं।

नई इमारत में क्यों नहीं बैठते हैं सीएम- तेलंगानाट्रिब्यून वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, बताया जाता है कि ये नई इमारत 650 करोड़ रु. में बनी है। इसी सात मंजिला इमारत में सीएम का कार्यालय है। ये नई इमारत तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के समय में तैयार की गई थी। चूंकि यह सीएम का ऑफिस होना था, इस लिहाज से इसे भव्य बनाया गया।

वहीं, इस बात का भी दावा किया जाता है कि नई बिल्डिंग में मौजूद कुछ वास्तु दोष हैं। इसी कारण सीएम यहां नहीं बैठते हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इमारत का मुख्य प्रवेश द्वार पहले पूर्व दिशा की ओर था। हालांकि, बाद में इसको बंद कर के दक्षिण-पूर्व में कर दिया गया।

रेवंत के करीबियों का मानना है कि सीएम रेवंत रेड्डी इस इमारत में बार-बार अशांति महसूस करते हैं। वहीं, जब इससे जुड़ी जांच की गई तो पाया गया कि इस इमारत में वास्तु दोष है। इनको ठीक करने का उपाय की बजाय सीएम ने पुलिस कंट्रोल रूम में बैठना ठीक समझा। केवल किसी खास मौकों पर ही सीएम इस बिल्डिंग में आते हैं।

रेलवे इनको बैन करे..., 1st AC कोच से चादरें चोरी कर रहा था परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेन में यात्रा करना काफी सुखद अनुभव होता है। कई लोग ट्रेन के एसी कोच से यात्रा करना पसंद करते हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। दरअसल, एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर एक परिवार पुरी और दिल्ली के बीच चलने वाली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच से चादरें और तौलिए चोरी करते हुए दिखाई दे रहा है।

कब की है ये घटना- जानकारी के अनुसार, ये घटना उस वक्त हुई जब टीटीई और रेलवे कर्मचारियों ने परिवार पर यात्रियों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई गई चादरें और तौलिए चुराने का आरोप लगाया। हालांकि, परिवार ने पहले तो विरोध किया, फिर बाद में अनिच्छा से सामान लौटाते हुए कैमरे में कैद हो गए। परिवार में एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं।

वीडियो आया सामने- सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि रेलवे अटेंडेंट उड़िया में कह रहा है कि सर, देखिए, सभी बैगों से चादरें और कंबल निकल रहे हैं। तौलिए और चादरें कुल मिलाकर चार सेट हैं। या तो इन्हें वापस कर दीजिए या 780 रुपये दीजिए।

जब रेलवे अटेंडेंट के आरोप पर परिवार ने दावा किया कि यह एक बड़ी गलती थी। गलती से उसकी मां ने चादरें पैक कर ली होंगी। हालांकि, रेलवे कर्मचारी इससे असहमत दिखे। रेलवे के अटेंडेंट ने दावा किया कि वह फर्स्ट एसी में यात्रा कर रहे थे।

अटेंडेंट ने लिखा कि पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के फर्स्ट एसी में यात्रा करना अपने आप में गर्व की बात है। लेकिन फिर भी, ऐसे लोग हैं जो यात्रा के दौरान अतिरिक्त आराम के लिए दी गई चादरों को चुराकर घर ले जाने में संकोच नहीं करते।

शिपबिल्डिंग हब बनने के लिए तमिलनाडु ने उठाया बड़ा कदम, 55 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु तेजी से शिपबिल्डिंग हब के रूप में उभरने की कोशिश कर रहा है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने जहाज निर्माण के 2 मेगा प्रोजेक्ट में 30,000 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की है। इसके लिए एक स्र्म्म पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। इस निवेश से राज्य में 55,000 नई नौकरियां पैदा होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

इस प्रोजेक्ट के पहले चरण में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड 15,000 करोड़ रुपये की लागत से वर्ल्ड क्लास कमर्शियल शिपयार्ड स्थापित करेगी। इससे राज्य में 10,000 नई नौकरियां उत्पन्न होने का अनुमान है।

वहीं, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड भी 15,000 करोड़ रुपये की लागत से वैश्विक स्तर का शिपयार्ड बनाएगी। इससे राज्य में लगभग 45,000 नौकरियां उत्पन्न होंगी।

तमिलनाडु सरकार का प्लान- दरअसल तमिलनाडु सरकार जल्द ही समुद्री परिवहन विनिर्माण नीति 2025 लाने की योजना बना रही है। इसी के तहत सरकार ने स्पेशल स्र्म्म साइन करते हुए शिपबिल्डिंग में 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है।

तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा के अनुसार, हम बहुत खुश हैं कि तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार साथ मिलकर कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को राज्य में ला रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हमें अन्य शिपयार्ड के साथ भी काम करने का मौका मिलेगा। कोचीन और मझगांव स्थापित होने से राज्य में 55,000 नई नौकरियां उत्पन्न होने का अनुमान है।

अधिकारियों के अनुसार, यह प्रोजेक्ट न सिर्फ तमिलनाडु के आर्थिक विकास में मददगार होगा बल्कि, इससे भारत के समुद्री बुनियादी ढांचे को भी बल मिलेगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिन:
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल प्रतिपदा

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

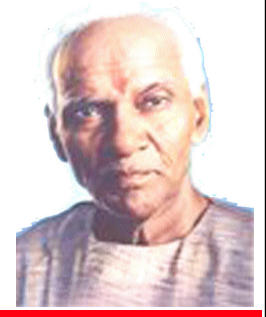

संपादकीय

दुर्गोत्सव की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। पौराणिक काल से ही दुर्गापूजा होती चली आ रही है

दुर्गोत्सव की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। पौराणिक काल से ही दुर्गापूजा होती चली आ रही है। ऋग्वेद में अंबिका, तैत्तिरीयारण्यक में उमा एवं हेमवती, नारायण उपनिषद् और दुर्गागायत्री में दुर्गा नाम स्पष्ट रूप से उल्लिखित है। देवी दुर्गा की पूजा का प्रसंग मार्कंडेय पुराण, देवी भागवत, देवी पुराण और कालिका पुराण में भी मिलता है। मार्कंडेय पुराणानुसार मेधम ऋषि से दुर्गा का महात्म्य सुनकर चंद्रवंशी राजा सुरथ ने सर्वप्रथम उनकी आराधना की थी पर यह आराधना किस ऋतु में की गई थी, इसका उल्लेख नहीं मिलता। कहा जाता है कि उन्होंने वसंत ऋतु में देवीपूजा की थी।

कुछ विद्वानों ने इस कथा को ऐतिहासिक रूप देने का प्रयास किया है। उनका कहना है कि वीरभूम जिले के बोलपुर के निकट स्थित सपुर के राजा सुरथ और बंगाल बिहार सीमा पर स्थित गौड़ देशवासी समाधि वैश्य ने अयोध्या के ब्राह्मण मेघस मुनि के निर्देशानुसार बंगला देश के चट्टग्राम के निकट स्थित करालडांगा पहाड़ के समीप बहने वाली कर्णफुली नदी के किनारे दुर्गा की मिट्टी की प्रतिमा बनाकर पूजा की थी। वह पूजा शरद ऋतु में ही हुई थी। इसका प्रमाण चंडी ग्रंथ के 12वें अध्याय के 12वें श्लोक में मिलता है।

राम ने रावण के वध के लिए शरदकाल में देवी दुर्गा का बोधन किया था, जो अकाल में किये जाने के कारण अकाल बोधन कहलाता है। महाभारत के अनुसार अर्जुन ने कुरुक्षेत्र का युद्ध जीतने के लिए दुर्गा की स्तुति की थी।

यूं तो दुर्गोत्सव का स्वरूप अब और भी निखर गया है और भारत के प्रायः सभी प्रांतों में किसी न किसी रूप में दुर्गा की आराधना की जाने लगी है, मगर अभी तक यह मतैक्य नहीं हो सका है कि दुर्गापूजा का ऐतिहासिक स्वरूप क्या है एवं ऐतिहासिक काल में दुर्गापूजा का प्रचलन सर्वप्रथम किसने किया। कुछ विद्वानों की अवधारणा है कि दुर्गापूजा को सार्वजनिक रूप सर्वप्रथम सेन वंश के राजाओं ने दिया था। गौड़ इतिहास का अध्ययन करने पर ज्ञात होता है कि सेन वंश के राजा मैसूर राज्य से आकर गौड़वाना के सिंहासन पर आसीन हुए थे, फलतः उनकी संस्कृति और धार्मिक भावनाओं का प्रभाव गौड़वानापर पडना स्वाभाविक था। दुर्गापूजा की अपनी विशिष्ट धारा को अक्षुण्ण रखने के लिए ही सेन राजाओं ने दुर्गापूजा का प्रचलन किया था। मैसूर के धारवाल जिले में ऐडोड़े नामक स्थान के निकट चालुक्य स्थापत्य के समृद्ध एक दुर्गा मंदिर विद्यमान है। कहा जाता है कि इसी दुर्गा मंदिर के अनुरूप बंगाल में प्रथम दुर्गा प्रतिमा निर्मित की गई थी। एक ओर जहां यह विचारधारा प्रचलित है, वहीं दूसरी ओर यह कहा जाता है कि दुर्गापूजा का सार्वजनिक रूप 16वीं शताब्दी में स्पष्ट हुआ था। इसी समय शास्त्रोक्त और लौकिक दुर्गा में समन्वय स्थापित किया गया था। इस धारणा का पोषण करने वाले इतिहासकारों के अनुसार 16वीं शताब्दी में बादशाह अकबर के समकालीन एवं बांगला देश के राजशाही प्रांत के ताहिरपुर नामक क्षेत्र के जमींदार राजा कंसनारायण ने सर्वप्रथम दुर्गापूजा की थी और दुर्गोत्सव को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया था।

कहा जाता है कि राजा कंसनारायण यूं तो जमींदार थे मगर धर्म के प्रति उनकी प्रबल आस्था थी। एक बार उन्होंने अपने पुरोहित रमेश शास्त्री से महायज्ञ करने का आग्रह किया, मगर रमेश शास्त्री ऐसा करने के लिए राजी नहीं हुए।

गुरु नानक

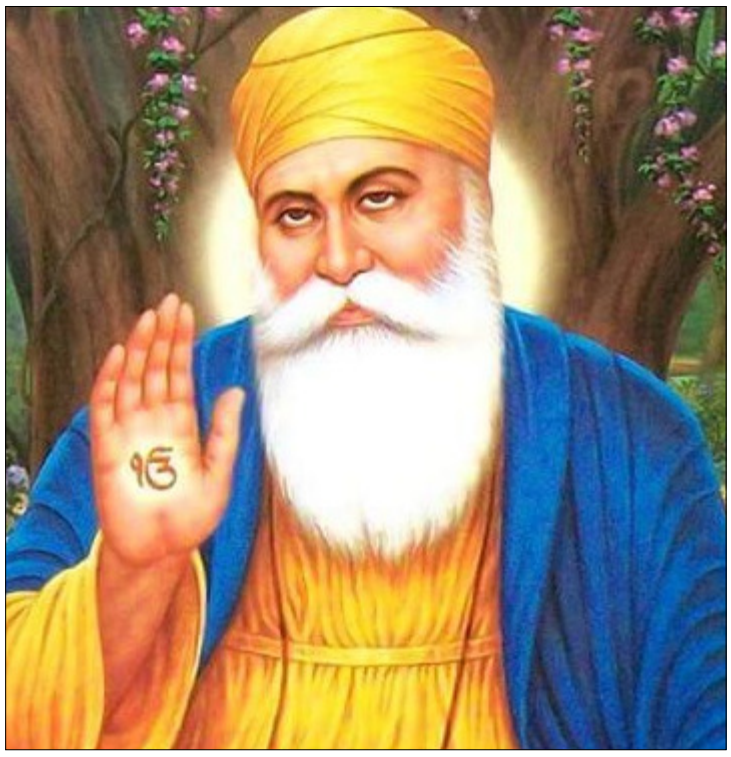

गुरु नानक सिक्खों के प्रथम गुरु (आदि गुरु) थे। इनके अनुयायी इन्हें गुरु नानक, बाबा नानक और नानकशाह नामों से संबोधित करते हैं। गुरु नानक 20 अगस्त, 1507 को सिक्खों के प्रथम गुरु बने थे। वे इस पद पर 22 सितम्बर, 1539 तक रहे।

परिचय

पंजाब के तलवंडी नामक स्थान में 15 अप्रैल, 1469 को एक किसान के घर गुरु नानक उत्पन्न हुए। यह स्थान लाहौर से 30 मील पश्चिम में स्थित है। अब यह ननकाना साहब कहलाता है। तलवंडी का नाम आगे चलकर नानक के नाम पर ननकाना पड़ गया। नानक के पिता का नाम कालू एवं माता का नाम तृप्ता था। उनके पिता खत्री जाति एवं बेदी वंश के थे। वे कृषि और साधारण व्यापार करते थे और गाँव के पटवारी भी थे। गुरु नानक देव की बाल्यावस्था गाँव में व्यतीत हुई। बाल्यावस्था से ही उनमें असाधारणता और विचित्रता थी। उनके साथी जब खेल-कूद में अपना समय व्यतीत करते तो वे नेत्र बन्द कर आत्म-चिन्तन में निमग्न हो जाते थे। इनकी इस प्रवृत्ति से उनके पिता कालू चिन्तित रहते थे।

आरंभिक जीवन

सात वर्ष की आयु में वे पढ़ने के लिए गोपाल अध्यापक के पास भेजे गये। एक दिन जब वे पढ़ाई से विरक्त हो, अन्तर्मुख होकर आत्म-चिन्तन में निमग्न थे, अध्यापक ने पूछा- पढ़ क्यों नहीं रहे हो? गुरु नानक का उत्तर था- मैं सारी विद्याएँ और वेद-शास्त्र जानता हूँ। गुरु नानक देव ने कहा- मुझे तो सांसारिक पढ़ाई की अपेक्षा परमात्मा की पढ़ाई अधिक आनन्दायिनी प्रतीत होती है, यह कहकर निम्नलिखित वाणी का उच्चारण किया- मोह को जलाकर (उसे) घिसकर स्याही बनाओ, बुद्धि को ही श्रेष्ठ काग़ज़ बनाओ, प्रेम की क़लम बनाओ और चित्त को लेखक। गुरु से पूछ कर विचारपूर्वक लिखो (कि उस परमात्मा का) न तो अन्त है और न सीमा है।[1] इस पर अध्यापक जी आश्चर्यान्वित हो गये और उन्होंने गुरु नानक को पहुँचा हुआ फ़क़ीर समझकर कहा- तुम्हारी जो इच्छा हो सो करो। इसके पश्चात् गुरु नानक ने स्कूल छोड़ दिया। वे अपना अधिकांश समय मनन, ध्यानासन, ध्यान एवं सत्संग में व्यतीत करने लगे। गुरु नानक से सम्बन्धित सभी जन्म साखियाँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि उन्होंने विभिन्न सम्प्रदायों के साधु-महत्माओं का सत्संग किया था। उनमें से बहुत से ऐसे थे, जो धर्मशास्त्र के प्रकाण्ड पण्डित थे। अन्तः साक्ष्य के आधार पर यह भलीभाँति सिद्ध हो जाता है कि गुरु नानक ने फ़ारसी का भी अध्ययन किया था। गुरु ग्रन्थ साहब में गुरु नानक द्वारा कुछ पद ऐसे रचे गये हैं, जिनमें फ़ारसी शब्दों का आधिक्य है।

बचपन

गुरु नानक की अन्तर्मुखी-प्रवृत्ति तथा विरक्ति-भावना से उनके पिता कालू चिन्तित रहा करते थे। नानक को विक्षिप्त समझकर कालू ने उन्हें भैंसे चराने का काम दिया। भैंसे चराते-चराते नानक जी सो गये। भैंसें एक किसान के खेत में चली गयीं और उन्होंने उसकी फ़सल चर डाली। किसान ने इसका उलाहना दिया किन्तु जब उसका खेत देखा गया, तो सभी आश्चर्य में पड़े गये। फ़सल का एक पौधा भी नहीं चरा गया था। 9 वर्ष की अवस्था में उनका यज्ञोपवीत संस्कार हुआ। यज्ञोपवीत के अवसर पर उन्होंने पण्डित से कहा - दया कपास हो, सन्तोष सूत हो, संयम गाँठ हो, (और) सत्य उस जनेउ की पूरन हो। यही जीव के लिए (आध्यात्मिक) जनेऊ है। ऐ पाण्डे यदि इस प्रकार का जनेऊ तुम्हारे पास हो, तो मेरे गले में पहना दो, यह जनेऊ न तो टूटता है, न इसमें मैल लगता है, न यह जलता है और न यह खोता ही है।

विवाह

सन 1485 ई. में नानक का विवाह बटाला निवासी, मूला की कन्या सुलक्खनी से हुआ। उनके वैवाहिक जीवन के सम्बन्ध में बहुत कम जानकारी है। 28 वर्ष की अवस्था में उनके बड़े पुत्र श्रीचन्द का जन्म हुआ। 31 वर्ष की अवस्था में उनके द्वितीय पुत्र लक्ष्मीदास अथवा लक्ष्मीचन्द उत्पन्न हुए। गुरु नानक के पिता ने उन्हें कृषि, व्यापार आदि में लगाना चाहा किन्तु उनके सारे प्रयास निष्फल सिद्ध हुए। घोड़े के व्यापार के निमित्त दिये हुए रुपयों को गुरु नानक ने साधुसेवा में लगा दिया और अपने पिताजी से कहा कि यही सच्चा व्यापार है। नवम्बर, सन् 1504 ई. में उनके बहनोई जयराम (उनकी बड़ी बहिन नानकी के पति) ने गुरु नानक को अपने पास सुल्तानपुर बुला लिया। नवम्बर, 1504 ई. से अक्टूबर 1507 ई. तक वे सुल्तानपुर में ही रहें अपने बहनोई जयराम के प्रयास से वे सुल्तानपुर के गवर्नर दौलत ख़ाँ के यहाँ मादी रख लिये गये। उन्होंने अपना कार्य अत्यन्त ईमानदारी से पूरा किया। वहाँ की जनता तथा वहाँ के शासक दौलत ख़ाँ नानक के कार्य से बहुत सन्तुष्ट हुए। वे अपनी आय का अधिकांश भाग ग़रीबों और साधुओं को दे देते थे। कभी-कभी वे पूरी रात परमात्मा के भजन में व्यतीत कर देते थे। मरदाना तलवण्डी से आकर यहीं गुरु नानक का सेवक बन गया था और अन्त तक उनके साथ रहा।

गुरु नानक देव अपने पद गाते थे और मरदाना रबाब बजाता था। गुरु नानक नित्य प्रातः बेई नदी में स्नान करने जाया करते थे। कहते हैं कि एक दिन वे स्नान करने के पश्चात् वन में अन्तर्धान हो गये। उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा- मैं सदैव तुम्हारे साथ हूँ, मैंने तुम्हें आनन्दित किया है। जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेगें, वे भी आनन्दित होगें। जाओ नाम में रहो, दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओं। इस घटना के पश्चात् वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर मूला को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। मरदाना उनकी यात्रा में बराबर उनके साथ रहा।

यात्राएँ

गुरु नानक की पहली उदासी (विचरण यात्रा) अक्तूबर , 1507 ई. में 1515 ई. तक रही। इस यात्रा में उन्होंने हरिद्वार, अयोध्या, प्रयाग, काशी, गया, पटना, असम, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वर, सोमनाथ, द्वारिका, नर्मदातट, बीकानेर, पुष्कर तीर्थ, दिल्ली, पानीपत, कुरुक्षेत्र, मुल्तान, लाहौर आदि स्थानों में भ्रमण किया। उन्होंने बहुतों का हृदय परिवर्तन किया। ठगों को साधु बनाया, वेश्याओं का अन्तःकरण शुद्ध कर नाम का दान दिया, कर्मकाण्डियों को बाह्याडम्बरों से निकालकर रागात्मिकता भक्ति में लगाया, अहंकारियों का अहंकार दूर कर उन्हें मानवता का पाठ पढ़ाया। यात्रा से लौटकर वे दो वर्ष तक अपने माता-पिता के साथ रहे। उनकी दूसरी उदासी 1517 ई. से 1518 ई. तक यानी एक वर्ष की रही। इसमें उन्होंने ऐमनाबाद, सियालकोट, सुमेर पर्वत आदि की यात्रा की और अन्त में वे करतारपुर पहुँचे।

तीसरी उदासी 1518 ई. से 1521 ई. तक लगभग तीन वर्ष की रही। इसमें उन्होंने रियासत बहावलपुर, साधुबेला (सिन्धु), मक्का, मदीना, बग़दाद, बल्ख बुखारा, क़ाबुल, कन्धार, ऐमानाबाद आदि स्थानों की यात्रा की। 1521 ई. में ऐमराबाद पर बाबर का आक्रमण गुरु नानक ने स्वयं अपनी आँखों से देखा था। अपनी यात्राओं को समाप्त कर वे करतारपुर में बस गये और 1521 ई. से 1539 ई. तक वहीं रहे।

व्यक्तित्व

गुरुनानक का व्यक्तित्व असाधारण था। उनमें पैगम्बर, दार्शनिक, राजयोगी, गृहस्थ, त्यागी, धर्म-सुधारक, समाज-सुधारक, कवि, संगीतज्ञ, देशभक्त, विश्वबन्धु सभी के गुण उत्कृष्ट मात्रा में विद्यमान थे। उनमें विचार-शक्ति और क्रिया-शक्ति का अपूर्व सामंजस्य था। उन्होंने पूरे देश की यात्रा की। लोगों पर उनके विचारों का असाधारण प्रभाव पड़ा। उनमें सभी गुण मौजूद थे। पैगंबर, दार्शनिक, राजयोगी, गृहस्थ, त्यागी, धर्मसुधारक, कवि, संगीतज्ञ, देशभक्त, विश्वबंधु आदि सभी गुण जैसे एक व्यक्ति में सिमटकर आ गए थे। उनकी रचना जपुजी का सिक्खों के लिए वही महत्त्व है जो हिंदुओं के लिए गीता का है।

रचनाएँ और शिक्षाएँ

श्री गुरु-ग्रन्थ साहब में उनकी रचनाएँ महला 1 के नाम से संकलित हैं। गुरु नानक की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान, सत्य, कर्त्ता, निर्भय, निर्वर, अयोनि, स्वयंभू है। वह सर्वत्र व्याप्त है। मूर्ति-पूजा आदि निरर्थक है। बाह्य साधनों से उसे प्राप्त नहीं किया जा सकता। आन्तरिक साधना ही उसकी प्राप्ति का एक मात्र उपाय है।

5 दिन में 55% तक रिटर्न देने वाले 5 शेयर, 1 से 7 तक वाले स्टॉक भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। माइक्रो और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अकसर ज्यादा तेजी के साथ रिटर्न देते हैं। हालांकि इनमें जोखिम भी अधिक होता है, क्योंकि इनके शेयर बहुत ज्यादा अस्थिर होते हैं। इसलिए इन शेयरों में बहुत सोच-समझकर पैसा लगाना चाहिए।

फिर भी यदि आपके हाथ में कोई अच्छा स्मॉल या माइक्रो कैप शेयर आ जाए तो वो बहुत जल्दी आपको मालामाल बना सकता है। जैसे कि पिछले हफ्ते 5 स्मॉल कैप शेयरों ने 5 ही कारोबारी दिनों में करीब 55 फीसदी तक रिटर्न दिया। आगे जानिए इन शेयरों की डिटेल।

Empower India Share Price- एम्पावर इंडिया का शेयर बीते हफ्ते 1.28 रुपये से बढ़कर 1.98 रुपये पर पहुंच गया, जिससे निवेशकों को 54.69 फीसदी रिटर्न मिला। कंपनी की मौजूदा मार्केट कैपिटल 230.43 करोड़ रुपये है। शुक्रवार को इसके शेयर में 20 फीसदी अपर सर्किट लगा था।

Greenhitech Ventures Share Price- ग्रीनहाईटेक वेंचर्स का शेयर शुक्रवार को 5 फीसदी अपर सर्किट के साथ बंद हुआ। पूरे हफ्ते में इसने 85 रुपये से 124.71 रुपये पर पहुंचने में निवेशकों को 46.72 फीसदी रिटर्न दिया। इस भाव पर कंपनी की मार्केट कैपिटल 162 करोड़ रुपये है।

Newtime Infrastructure Share Price- न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर का शेयर हफ्ते के दौरान 2.74 रुपये से 3.93 रुपये पर पहुंच गया। यानी इसने 43.43 फीसदी की ग्रोथ हासिल की। इसकी मार्केट कैपिटल 206.26 करोड़ रुपये है। शुक्रवार को इसका शेयर 4.84 फीसदी फिसलकर बंद हुआ।

Intense Technologies Share Price- इंटेंस टेक्नोलॉजीज का शेयर 88.74 रुपये से 126.84 रुपये पर पहुंच गया। इस शेयर ने करीब 43 फीसदी रिटर्न दिया। 126.84 रुपये के रेट पर कंपनी की मार्केट कैपिटल 293.89 करोड़ रुपये है।

Caspian Corporate Services Share Price- कैस्पियन कॉर्पोरेट सर्विसेज का शेयर 7.12 रुपये से 10.04 रुपये पर पहुंच गया, जिससे निवेशकों को 41.01 फीसदी रिटर्न मिला। 10.04 रुपये के भाव पर इसकी मार्केट कैपिटल 127.11 करोड़ रुपये है।

इस IT कंपनी को मिला 450 करोड़ का काम, शेयरों की मची लूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेटवेब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर सोमवार को फोकस में रहेंगे। कंपनी को 450 करोड़ रुपये काम बीते हफ्ते मिला था। बता दें, इस मल्टीबैगर स्टॉक की कीमतों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली थी। बीएसई में शुक्रवार को यह स्टॉक 7.90 प्रतिशत की तेजी के साथ बीएसई में 3280.10 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

एक्सचेंज को दी जानकारी नेटवेब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने 19 सितंबर को बताया है कि उन्हें 450 करोड़ रुपये का काम मिला था। कंपनी को Tyrone AI GPU Accelerated सिस्टम के लिए यह ऑर्डर मिला है। इस वर्क ऑर्डर को कंपनी को वित्त वर्ष 2025 से 26 में पूरा करना है।

बीते एक महीने के दौरान नेटवेब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 54 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 3 महीने में इस स्टॉक में 90 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 6 महीने से होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 115 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। यानी पोजीशनल निवेशकों का पैसा इस दौरान दोगुना हो चुका है। बता दें, एक साल में नेटवेब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों का भाव 23 प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 0.67 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इन 2 मल्टीबैगर डिफेंस कंपनियों में अबु धाबी इंवेस्टमेंट ने लगाया है पैसा, आपके पोर्टफोलियो में है कोई?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक बार फिर से भारतीय डिफेंस कंपनियां चर्चा में हैं। इसमें से कई कंपनियों में विदेशी निवेशकों ने भी जमकर पैसा लगाया है। आइए जानते हैं दो कंपनियों के विषय में जिसमें अबु धाबी इंवेस्टमेंट ने निवेश किया है।

वित्त वर्ष 2026 में कंपनी के शेयरों का भाव 69 प्रतिशत बढ़ चुका है। इस कंपनी में अबु धाबी इंवेस्टमेंट अथॉरिटी की कुल हिस्सेदारी 1.33 प्रतिशत की है। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इस की वैल्यूएशन 214 करोड़ रुपये के बराबर है।

शुक्रवार को डाटा पैटर्न्स के शेयर बीएसई में 0.99 प्रतिशत की तेजी के साथ बीएसई में 2860.10 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक साल में डाटा पैटर्न्स ने निवेशकों को 13 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। बता दें, बीएसई में कंपनी का 52 वीक हाई 3267.20 रुपये और 52 वीक लो लेवल 1350.50 रुपये है। डाटा पैटर्न्स इंडिया के शेयर पिछले महीने की पहली तारीख को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। कंपनी ने एक शेयर पर 7.90 रुपये का डिविडेंड दिया था।

अबु धाबी इंवेस्टमेंट अथॉरिटी ने इसमें भी निवेश किया है। इस डिफेंस कंपनी में अबु धाबी इंवेस्टमेंट की कुल हिस्सेदारी 3.51 प्रतिशत के बराबर है। जिसकी वैल्यू 106 करोड़ रुपये है। शुक्रवार को पारस डिफेंस कंपनी के शेयर 1.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 747.85 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 39 प्रतिशत बढ़ा है। इस कंपनी का 52 वीक हाई 971.80 रुपये और 52 वीक लो लेवल 401 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 6026 करोड़ रुपये का है। बता दें, बीते महीने यह कंपनी पहली बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 50 पैसे का डिविडेंड मिला था।

अगले हफ्ते गर्म रहेगा आईपीओ मार्केट, खुलेंगे 28 नए इश्यू; कर लें तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले हफ्ते 28 आईपीओ खुलने जा रहे हैं। इनमें 17 एसएमई कैटेगरी के आईपीओ होंगे, जबकि बाकी 11 मेनबोर्ड के आईपीओ होंगे।

ये आईपीओ सोमवार से खुलना शुरू होंगे। 22 सितंबर सोमवार को 4 पब्लिक इश्यू खुलेंगे। आगे जानिए इन सभी आईपीओ की डिटेल।

क्या होता है आईपीओ - आईपीओ वह प्रोसेस है जिसमें कोई प्राइवेट कंपनी पहली बार अपने शेयर पब्लिक को बेचती है और इस तरह वह एक पब्लिक्ली कारोबार करने वाली कंपनी बन जाती है।

इससे कंपनी को विस्तार, ग्रोथ या लोन चुकाने के लिए पूंजी जुटाने का मौका मिलता है, साथ ही आम निवेशकों को नई कंपनी में निवेश करने का मौका मिलता है और कंपनी के भविष्य की सफलता से संभावित रूप से लाभ उठाने का अवसर मिलता है।

किस वजह से चांदी ने सोने को पछाड़ा, इस साल अबतक दिया 49 फीसदी रिटर्न; शेयर बाजार भी छूटा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी और सौर तथा इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्रों में मजबूत औद्योगिक मांग से चांदी ने इस साल अबतक 49 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दिया है और इस मामले में सोने और शेयर बाजार को भी पीछे छोड़ दिया है। विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी है।

उनका यह भी कहना है कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता और जोखिम के बीच स्वच्छ ऊर्जा/सौर/ईवी क्षेत्र में मांग मजबूत बनी हुई है। ऐसे में कुछ सावधानियों के साथ जोखिम क्षमता के आधार पर चांदी अब भी निवेश के लिहाज से अच्छी स्थिति में है।

उल्लेखनीय है कि एमसीएक्स (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज) में चांदी बीते वर्ष 87,233 रुपये प्रति किलोग्राम थी जो 19 सितंबर, 2025 तक 49.14 प्रतिशत उछलकर 1,30,099 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी।

मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''इस साल चांदी की कीमतों में तेज वृद्धि हुई, जिसका कारण अमेरिकी डॉलर में कमजोर रुख और फेडरल रिजर्व (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) द्वारा ब्याज दर में कटौती को लेकर बढ़ती उम्मीदें थीं। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर बढ़ती भू-राजनीतिक चिंताओं के बीच सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी और सौर एवं इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्रों की मजबूत औद्योगिक मांग ने इस धातु को और मजबूत किया।''

उन्होंने कहा, ''इसके साथ कम आपूर्ति की स्थिति और सोने की रिकॉर्ड तेजी से भी चांदी को समर्थन मिला। वैश्विक संकेतों के अलावा, डॉलर के मुकाबले कमजोर रुपया घरेलू बाजार में चांदी को और बढ़ावा दे रहा है।''

1 शेयर पर 160 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिविडेंड देने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। शेयर बाजार में कल यानी सोमवार को महाराष्ट्र स्कूटर्स लिमिटेड के शेयर एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 160 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा।

एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि एक शेयर पर 160 रुपये का अंतरिम डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 22 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। जोकि कल है। यानी जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में कल रहेगा उन्हें हर एक शेयर पर 160 रुपये का फायदा होगा। बता दें, बीते कई सालों की तुलना में महाराष्ट्र स्कूटर्स लिमिटेड की तरफ से इस बार सबसे अधिक डिविडेंड बांटा जा रहा है।

इससे पहले कंपनी इसी साल जून में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर 30 रुपये का फाइनल डिविडेंड और 30 रुपये का स्पेशल डिविडेंड दिया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

जबलपुर को मिलने वाली है एक और सौगात, रायपुर के लिए बनेगी 150 KM की फोरलेन सड़क

जबलपुर। जबलपुर से रायपुर की सड़क की दशा जल्द बदलेगी। इस सड़क के कुछ हिस्से पर वाहन चालक चलने से घबराते हैं। इस सड़क को अब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण फोरलेन बनाने जा रहा है। सड़क की न सिर्फ चौड़ाई बढ़ेगी बल्कि नए तरह से निर्माण किया जाएगा। जबलपुर से चिल्पी तक करीब 150 किलोमीटर के हिस्से का निर्माण एनएचएआइ करेगा। इस मार्ग के निर्माण में 4500 करोड़ का व्यय होगा। फिलहाल सडक निर्माण के लिए कंसल्टेंसी नियुक्त करने का प्रयास हो रहा है ताकि इसकी डिटेल प्रोजेक्ट बनाकर केंद्र सरकार को मंजूरी के लिए भेजा जा सके। सब कुछ ठीक रहा तो यह सड़क जो अभी एमपी रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) के पास है, इसे वापस एनएचएआइ सड़क का हस्तातंरण करेगा।

वन्य जीवों के लिए सुरक्षित मार्ग-जबलपुर से चिल्पी के बीच मंडला क्षेत्र में आने वाला कान्हा नेशनल पार्क का कोर एरिया आता है। जहां वन्यजीवों की घनी आबादी विचरण करती है। ऐसे में एनएचएआई मार्ग में जगह-जगह अंडरपास और ओवर ब्रिज का निर्माण करेंगा ताकि वाहन निकलने से वन्य जीवों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो। कई जगह साउंड प्रूफ उपकरण भी लगाए जाएंगे जिससे बंदरों और अन्य जीवों को वाहनों की आवाजाही खलल न पैदा करें। बता दें करीब 25 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर की लागत आ रही है।फोरलेन बनने से बढ़ेगी रफ्तार फिलहाल राष्ट्रीय राजमार्ग 30 जबलपुर से रायपुर के बीच दो लेन है। इस वजह से वाहनों की आवाजाही में थोड़ी परेशानी होती है। मौसम खराब होने पर वाहनों की लंबी कतार सड़क पर लग जाती है। आवागमन भी बाधित होता है। यहां कुछ जगह लैंड स्लाइडिंग की भी समस्या बनी हुई है इसके लिए लगातार एमपीआरडीसी को शिकायत होती है लेकिन वहां से कोई भी राहत नहीं मिल पा रही है। एमपीआरडीसी द्वारा इस सड़क का निर्माण गुणवत्ताहीन तरीके से कराया जा रहा था। वर्षों से यह सड़क बेहद खराब स्थिति में है जिससे आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। अब इस सड़क को सरकार फोरलेन में तब्दील होगी तो बड़े स्तर पर राहत मिलने की संभावना है।

इस सड़क के लिए गडकरी ने मांगी थी माफी-जबलपुर मंडला की यह वही सड़क है जिसके लिए केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को सड़क की खराब गुणवत्ता के लिए सार्वजनिक माफी मांगनी पड़ी थी। गडकरी 2022 में मध्य प्रदेश दौरे पर आए थे। तब उन्होंने मध्य प्रदेश को छत्तीसगढ़ से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे की इस बदहाल सड़क को देखा। उन्होंने शर्मिंदगी महसूस की। सड़क की स्थिति को देखते हुए मंच से ही माफी मांगी थी। इस दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव भी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने ये बयान सात नवंबर 2022 को मध्य प्रदेश के मंडला में दिया था। गडकरी ने जबलपुर से मंडला के बीच नेशनल हाईवे के टेंडर रद्द कर सड़क के इस हिस्से को फिर से बनवाने के निर्देश दिए थे। बाद में इस मार्ग को सुधारने के लिए 53 करोड़ रुपये की लागत से सुधार का काम हुआ था।2015 में शुरू हुआ था निर्माण

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 251 करोड़ की लागत से जबलपुर से मंडला के बीच इस राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन को निर्माण एजेंसी बनाया था। तीन फेस में बनने वाली इस सड़क का काम साल 2015 में शुरू हुआ था, जिसे दिसंबर 2016 तक पूरा हो जाना था। लेकिन, अब तक हाईवे का निर्माण अधूरा है और जहां हाईवे बना वो घटिया निर्माण से टूट-फूट का शिकार है।

एनएचएआइ के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमृत लाल साहू ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जबलपुर से चिल्पी के बीच करीब 150 किमी की सड़क को फोरलेन बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए कंसल्टेंसी की तलाश हो रही है। हम जल्द डीपीआर बनाकर केंद्र को भेजेंगे यदि मंजूरी मिली तो एमपीआरडीसी से यह सड़क लेकर एनएचएआई निर्माण कराएंगा।

यातायात नियम तोड़ने में ग्वालियर नंबर-1, हादसे नहीं हो रहे कम ; 300 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस होंगे निरस्त

ग्वालियर। मध्यप्रदेश सड़क हादसों में देश में दूसरे नंबर पर और हादसों से मौतों में चौथे नंबर पर है। यही वजह है कि डीजीपी कैलाश मकवाना ने 8 से 22 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई के साथ ही लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

पुलिस मुख्यालय ने 8 से 18 सितंबर तक की गई कार्रवाई के आंकड़े जारी किए हैं। इसमें ग्वालियर ने यातायात नियम तोड़ने वालों पर सबसे ज्यादा कार्रवाई की है, जबकि छतरपुर में सबसे कम चालान काटे गए।

यह हैं टॉप-5 शहर जहां सबसे ज्यादा चालान हुए

ग्वालियर - 6255 चालान - 24,66,200 जुर्माना

जबलपुर - 6047 चालान - 20,73,900 जुर्माना

शिवपुरी - 3733 चालान - 14,56,200 जुर्माना

भोपाल - 3630 चालान - 13,35,500 जुर्माना

गरबे की प्रैक्टिस कर रही युवती को सबके सामने किया किडनैप, दो महिलाओं सहित 7 लोग उसे घसीटते ले गए

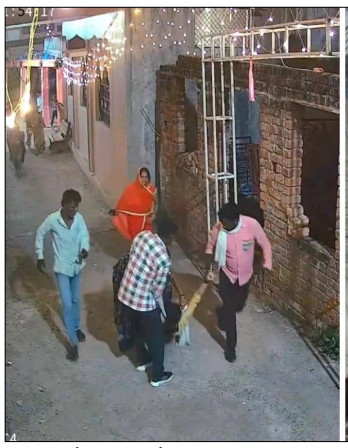

मंदसौर। मंदसौर में खानपुरा क्षेत्र में भावसार धर्मशाला में गरबा प्रैक्टिस कर रही युवती का दो महिलाओं व पांच युवकों ने अपहरण कर लिया। युवती जाना नहीं चाहती थी तो आरोपित उसे घसीटते हुए ले गए। वहां मौजूद एक महिलाओं व युवतियों ने बचाने की कोशिश की तो लेकिन उसे आरोपितों ने धक्का दे दिया। एक आरोपित के हाथ में कट्टा भी था। सूचना के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने युवती को छुड़ा लिया है वही मामले सात लोगों को गिरफ्तार करने की सूचना है।

प्रेम विवाह से जुड़ा मामला-पूरा मामला प्रेम विवाह से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। युवती के स्वजन इस विवाह से नाराज थे इसलिए उसे जबरन ले गए थे। शनिवार रात लगभग 10 बजे खानपुरा में स्थित भावसार धर्मशाला में महिलाएं और युवतियां गरबा की प्रेक्टिस कर रही थी। तभी चार युवक और दो महिलाएं वहां पहुंची और युवती को पकड़ लिया। वे उसे अपने साथ ले जाने लगे।

7 आरोपी गिरफ्तार-वहां मौजूद सभी लोग डरकर पीछे की तरफ भाग गए। सिर्फ एक युवती उसे बचाने आगे आई, लेकिन आरोपित महिलाओं ने उसे धक्का दिया। और युवती को अपने साथ ले गए। सूचना के बाद पुलिस की टीमें सक्रिय हुई। और लगभग तीन चार घण्टे में युवती को छुड़ा लिया। इस मामले में लगभग 7 आरोपित को पुलिस ने गिरफ्त में लिया है। एसपी दोपहर प्रेस कांफ्रेंस में आरोपितों के नाम का खुलासा करेंगे।

9 दिन में सात ज्योतिर्लिंग के दर्शन, रेलवे लेकर आया सबसे सस्ता टूर पैकेज

ग्वालियर। त्योहार के सीजन के साथ ही सर्दी के मौसम में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा अगले तीन माह विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसमें सितंबर से लेकर दिसंबर माह तक विभिन्न स्थानों से ट्रेनें संचालित की जाएंगी, जिनमें आगरा, ग्वालियर व झांसी से भी टिकट बुकिंग का विकल्प रहेगा। फिलहाल आइआरसीटीसी ने आगरा, ग्वालियर, झांसी स्टेशन से बैठने की सुविधा वाली दो ट्रेनों की घोषणा कर दी है, लेकिन अधिकारियों के अनुसार अभी और भी ट्रेनें तीर्थ स्थलों के लिए संचालित की जाएंगी जिसमें लोग बुकिंग करा सकते हैं।

अगली धार्मिक ट्रेन का संचालन पांच नवंबर को-आइआरसीटीसी द्वारा अगली धार्मिक ट्रेन का संचालन पांच नवंबर को किया जाएगा। ये गंगासागर-पुरी यात्रा स्पेशल ट्रेन होगी, जो दिल्ली सफदरजंग से शुरू होकर संचालित की जाएगी। इस ट्रेन में दिल्ली के अलावा मथुरा, आगरा, ग्वालियर, झांसी, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या स्टेशन से चढ़ने के विकल्प रहेंगे। इस ट्रेन पैकेज में गया में महाबोधि मंदिर एवं विष्णुपद मंदिर, पुरी में जगन्नाथ मंदिर और कोणार्क सूर्य मंदिर, कोलकाता में गंगासागर और कालीघाट काली मंदिर, जसीडीह में बैद्यनाथ धाम, वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर और अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन शामिल रहेंगे। ये नौ रात और 10 दिन की यात्रा रहेगी, जिसमें स्लीपर श्रेणी की 640, थर्ड एसी की 70 और सेकंड एसी की 50 बर्थ मौजूद रहेंगी।

ये टूर भी नौ रात और 10 दिन का इसी प्रकार आगामी 18 नवंबर को सात ज्योतिर्लिंग की यात्रा शुरू होगी। ये ट्रेन योग नगरी ऋषिकेश से चलेगी और इसमें ऋषिकेश, हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, हरदोई, लखनऊ, कानपुर, उरई, झांसी और ललितपुर स्टेशन से चढ़ने की व्यवस्था रहेगी।

देश की ताकत और उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में फार्मेसी के विद्यार्थी दे सकते हैं बड़ा योगदान - उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

हमारा लक्ष्य है कि दुनिया के ज्यादा से ज्यादा देश हमारे देश की उत्पादित औषधियों का उपयोग करें

इंदौर। प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और आयुष विभाग मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि भारत देश को फार्मेसी के सेक्टर में ज्यादा से ज्यादा काम करते हुए अपनी स्वदेशी औषधियों के व्यापार को बढाने और इसके उत्पादन पर ध्यान देने लिए और अधिक मेहनत और परिश्रम करने की जरूरत है। आज दुनिया के कई देश हमारे देश में उत्पादित स्वदेशी दवाओं का उपयोग करते हैं। हमारा लक्ष्य है कि दुनिया के ज्यादा से ज्यादा देश हमारे देश की उत्पादित औषधियों का उपयोग करें।

मंत्री श्री परमार आज इंदौर के ऑक्सफोर्ड इन्टरनेशनल कॉलेज में ÷इंडियन फार्मासिस्ट इनावेशन टू इम्पेक्ट फॉर विकसित भारत-2047÷ की थीम पर आयोजित दो दिवसीय 12वें विजन फार्मा राष्ट्रीय अधिवेशन के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर परिषद के राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी डॉ. छगनभाई पटेल, फार्मा विजन के राष्ट्रीय संयोजक श्री अनिकेत सेल्के, श्री वीरेन्द्र सोलंकी, ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल कॉलेज के चेयरमेन श्री अक्षांशु तिवारी, कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. प्रिया जैन, फार्मा विजन की स्टेट कॉन्वेनर सुश्री कामाक्षा गौड़ विशेष रूप से मौजूद थे।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करते हुए कई क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि विकसित भारत के संकल्प को अपना संकल्प मानते हुए कार्य करें। देश की ताकत और उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में फार्मेसी के विद्यार्थी निश्चित रूप से बड़ा योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत देश 2047 तक ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा और दुनिया के कई देशों में भी ऊर्जा की पूर्ति करने वाला देश बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश के किसानों ने अन्न और खाद्यान्न के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बना दिया है। किसानों ने अन्न के भण्डार भरे हैं। भारत 2047 तक दुनिया का भरण-पोषण करने की सामर्थ्य रखने वाला देश बनेगा।

श्री परमार ने कहा कि शीघ्र ही फार्मेसी के सिलेबस में आयुर्वेद के सिलेबस को भी जोड़ने का काम किया जायेगा। इस पर एक्सपर्ट द्वारा विचार-विमर्श किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आवश्यकता के अनुसार फार्मेसी के साथ एलोपेथिक, होम्योपेथिक और आयुर्वेदिक के लिये एक कॉमन सिलेबस तैयार किया जायेगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में 11 नये आयुर्वेदिक कॉलेज खोलने का संकल्प लिया गया था, जिसमें से 8 कॉलेजों की भारत सरकार द्वारा मान्यता दे दी गई है। अगले वर्ष से ही नये कॉलेज प्रारंभ किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने के लिये सभी परीक्षाओं का डिजिटल वेल्यूवेशन किया जायेगा, जिससे परीक्षार्थी ऑनलाईन अपनी कापी देख सकेंगे। श्री परमार ने कहा कि भारत अपने 2047 के विकसित भारत के संकल्प को साकार करते हुए आगे बढ़ रहा है और फिर से विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है।

ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. प्रिया जैन ने बताया कि दो दिवसीय 12वें विजन फार्मा राष्ट्रीय अधिवेशन में फार्मा से संबंधित कई सत्र आयोजित होंगे। अंत में सुश्री कामाक्षा गौड़ ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में देश के विभिन्न कॉलेजों से आये फार्मेसी के विद्यार्थी उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं सतत कौशल विकास अत्यंत आवश्यक

इंदौर। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट के सहयोग से आज मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की खंडपीठ इंदौर में दो दिवसीय एडवोकेसी स्किल्स डेवलपमेंट प्रोग्राम का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य न्यायाधीश श्री सचदेवा ने कहा कि अधिवक्ताओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं सतत कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है, जिससे प्रभावी पैरवी सुनिश्चित हो सके और न्याय वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाया जा सके।

उद्घाटन समारोह में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के इंदौर खण्डपीठ के प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री विवेक रूसिया, न्यायमूर्ति श्री विवेक अग्रवाल तथा न्यायमूर्ति श्री विजय कुमार शुक्ला सहित अन्य न्यायाधीशगण भी उपस्थित रहे। न्यायमूर्तिगण ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि अधिवक्ता कौशल विधि के शासन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

देश के 20 राज्यों से पहुंचे पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के अनुयायी

इंदौर। इंदौर में इस साल होने जा रहे अति विशाल नवरात्रि महामहोत्सव में शामिल होने के लिए देश-विदेश के हजारों अनुयायी इंदौर में पहुंच चुके हैं। यह अनुयायी बाहर पार्किंग से लेकर अंदर भोजनशाला तक में व्यवस्थाओं में सेवा देंगे। कई अनुयायी महीनों से यहीं रहकर इस महामहोत्सव की होने वाली तैयारी में अपनी सेवा दे रहे हैं।

ये भव्य और अद्वितीय धार्मिक आयोजन 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक वीआईपी परस्पर नगर में कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के सानिध्य में होना है। इस पुण्य और महान कार्य में अपनी सेवा की आहुति देने के लिए हजारों की संख्या में आचार्य श्री के अनुयायी इंदौर पहुंचे हैं। देश के 20 राज्यों के अलावा विदेशों से भी यहां अनुयाई पहुंचे हैं। ये सेवादार लंदन, यूएसए, सिंगापुर, नेपाल, दुबई, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से आए है। सभी भोजशाला से लेकर अन्य व्यवस्थाओं में तो सेवा करेंगे ही पूरे आयोजन और महामहोत्सव के दौरान भक्ति लाभ भी लेंगे। कई जरूरतमंद अनुयायियों के रहने की व्यवस्था इस महामहोत्सव के परिसर में ही की गई है, तो कई के लिए वाटिकाएं बुक की गई है, तो कई अनुयाई अपने खर्चे पर रुके हैं।

महोत्सव में आने वाली भीड़ को देखते हुए व्यवस्थाओं को संभालने के लिए आयोजन समिति की ओर से ही करीब डेढ़ सौ सिक्योरिटी गार्ड्स, 50 बाउंसर लगाए गए हैं। यहां करीब 2000 सेवादार भी अपनी सेवाएं देंगे। इनमें से केवल भोजनशाला में ही सेवा देने वालों का आंकड़ा 500 के आसपास है।

शहर में भारी वाहनों की रहेगी पूर्णतः नो-इन्ट्री

इन्दौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि इंदौर की यातायात व्यवस्था में सुधार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे प्रबंध सुनिश्चित किये जा रहे हैं जिससे कि गत दिनों हुये सड़क हादसे की तरह भविष्य में कोई भी सड़क हादसा नहीं हो। यातायात सुधार के लिये सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किये जायेंगे। साधन और सुविधाएँ मुहैया करायी जायेंगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में यातायात सुधार और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह तथा श्री राजेश कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, डीसीपी श्री आनंद कालादगी, एडीएम श्री रोशन राय, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में विगत दिनों हुये सड़क हादसे पर चिंता व्यक्त की गयी और तय किया गया कि ऐसे सभी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किये जायेंगे,जिससे कि उक्त घटना की पुनर्रावृत्ति नहीं हो। इस संबंध में बैठक में चर्चा करते हुये अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। साथ ही तय किया गया कि यातायात व्यवस्था की लगातार समीक्षा होगी और सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करते हुये उनका सख्ती से पालन कराया जायेगा। विशेषज्ञों और सभी संबंधितों से चर्चा कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लगातार प्रयास होंगे।

दिव्यांग बच्चों की त्वरित पहचान हेतु स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जायेगा

इंदौर। राज्य शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा इंदौर जिले में जुवेनाइल जस्टिस कमेटी हाई कोर्ट ऑफ़ मध्य प्रदेश की अनुशंसा के परिपालन में 15 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों की त्वरित पहचान हेतु स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जायेगा। जिले में सेवा पखवाड़े के दौरान स्वथ्य नारी-सशक्त परिवार अभियान तथा जिला शिक्षा केन्द्र के सीडब्ल्यूएसएन बच्चों के चिकित्सीय मूल्यांकन शिविरो के साथ साथ दिव्यांगजनों के लिए स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन भी किया जायेगा। जिले में यह शिविर 22 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर, 24 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेटमा, 6 अक्टूबर को जिला चिकित्सालय परिसर धार रोड, 8 अक्टूबर को बीआरसी कार्यालय इंदौर महूनाका, 13 अक्टूबर को महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे, 16 अक्टूबर को जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र परदेशीपुरा, 23 अक्टूबर को द्रविड़ नगर जोनल कार्यालय रणजीत हनुमान मंदिर के पास, 28 अक्टूबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाणगंगा, 4 नवंबर को जनपद पंचायत डॉ. अंबेडकर नगर महू, 6 नवंबर को जनपद पंचायत कार्यालय देपालपुर, 13 नवंबर को जनपद पंचायत कार्यालय सांवेर तथा 14 नवंबर को ग्राम पंचायत तिल्होर खुर्द में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

तुलसी नगर के में सजेगा मां अम्बे का दरबार, श्रद्धालु करेंगे मां दुर्गा, सरस्वती की आराधना

इंदौर। तुलसी नगर स्थित अनन्तेश्वर धाम एवं सरस्वतीधाम स्थित मां सरस्वती धाम में नौ दिवसीय नवरात्रि महोत्सव पूर्ण श्रद्धा, धार्मिक आस्था एवं उल्लास के साथ मनाया जाएगा। अनन्तेश्वर धाम स्थित मां अम्बे मंदिर एवं सरस्वती मंदिर में पंडित प्रेमनारायण पंचोली तथा पंडित हरिओम मंडलोई के निर्देशन में 22 सितंबर को शुभ मुहूर्त में घटस्थापना वैदिक रीति से की जाएगी। कलश स्थापना के दिन से ही प्रतिदिन मां दुर्गा की पूजा-अर्चना वैदिक पद्धति से होगी। संपूर्ण दुर्गा सप्तशती का नित्य पाठ होगा तथा सुबह और शाम को आरती की जाएगी।

महाअष्टमी पर विशेष पूजा एवं कन्या भोजन का आयोजन होगा तथा महा नवमी के दिन हवन का आयोजन किया जाएगा। नवरात्रि के दौरान कॉलोनी की मातृ शक्तियों द्वारा तुलसी नगर के दोनों धर्म स्थलों पर मां की आराधना में गरबे का भी आयोजन संध्या 8 बजे से रात्रि 11 बजे तक किया जाएगा।

नवरात्रि के पावन दिनों में तुलसी नगर ही नहीं बल्कि निपानिया, पिपलियाकुमार सहित पूरे शहर से श्रद्धालुगण अनन्तेश्वर धाम स्थित मां अम्बे तथा मां सरस्वती धाम स्थित मां सरस्वती के दर्शन, पूजा और अर्चना के लिए पहुंचेंगे।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कॉलोनी के दोनों धर्म स्थलों की विशेष साफ-सफाई पार्षद संगीता महेश जोशी तथा पार्षद प्रतिनिधि राकेश जायसवाल की देखरेख में करवाई गई है। साथ ही अनन्तेश्वर एवं सरस्वती धाम स्थित मां अम्बे, सरस्वती मंदिर सहित सभी मंदिरों की आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है।

आयुष विभाग ने जिला जेल में स्वास्थ्य परीक्षण किया

इंदौर। आयुष विभाग के आयुष चिकित्साधिकारी संघ ने जिला जेल में स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में स्वस्थ जीवन के लिए योग, प्राणायाम के महत्व, स्वस्थ जीवन के दिनचर्या, ऋतुचर्या आहार आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। शिविर में मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी चर्चा की गयी। इस अवसर पर जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि भारतीय चिकित्सा आयुर्वेद केवल रोगों का उपचार ही नहीं, बल्कि रोगों से बचाव और स्वस्थ जीवन जीने की कला भी सिखाती है । यह जीवन शैली और अनुशासन को अपनाकर हम तन और मन को स्वस्थ रख सकते हैं । स्वस्थ वृत का पालन कर जीवन को रोग मुक्त और ऊर्जावान बना सकते हैं।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

हमारे युवा सशक्त भारत निर्माण के आधार हैं

उज्जैन । सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत रविवार को लोगों में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने और सक्रिय जीवनशैली को अपनाने व युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से प्रारंभ किये गये नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नमो युवा मैराथन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव,श्री संजय अग्रवाल, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट,श्री जगदीश पांचाल एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने इस अवसर पर कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर युवाओं को नशे की

लत से दूर रखने के लिए और स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज नमो युवा मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। हमारे युवा सशक्त भारत निर्माण के आधार हैं। आज मैराथन में अत्यधिक संख्या में युवा सहभागिता कर रहे हैं। इनमें नारी शक्ति के द्वारा भी उत्साह पूर्वक भाग लिया जा रहा है, ये सभी देश को समृद्धशाली बनाने की शक्ति हैं ,आधार हैं । सशक्त भारत का नेतृत्व हमारे युवाओं के कंधों पर हैं, इसीलिए हमारे युवा नशे की लत से दूर रहें और अपने जीवन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें, नशे से दूर रहें और स्वच्छता की आदत डालें।

सांसदअनिल फिरोजिया ने अपनी ओर से सभी को शुभकामनाएं दी। इसके बाद जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन प्रारंभ की।

नमो युवा मैराथन शहीद पार्क से प्रारंभ होकर टावर चौराहा, फ्रीगंज, चामुंडा माता चौराहा, चरक भवन, गांधी उद्यान होते हुए क्षीरसागर पहुंची जहां इसका समापन हुआ। मैराथन के समापन पर नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने कहा कि एक दौड़ देश की एकता के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में आयोजित की जाती है, जिसे रन फॉर यूनिटी कहते हैं। उसी प्रकार सेवा और स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत आज नमो युवा मैराथन का आयोजन किया गया है , जिसके अंतर्गत लोगों को स्वास्थ और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया है। साथ ही नशे से दूर रहने का देश भी दिया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वच्छता और सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत देश की सभी बहनों को समर्पित स्वस्थ नारी सशक्त भारत अभियान भी चलाया जा रहा है। यदि हम स्वच्छ रहेंगे, तो स्वस्थ रहेंगे और तभी सशक्त बन सकेंगे। इसी संकल्प के साथ आज युवा मैराथन का आयोजन किया गया है।

आर्य समाज उज्जैन में श्राद्ध एवं तर्पण विषय पर हुई संगोष्ठी

मनुष्य असत्य को त्याग कर सत्य को ग्रहण करें- संतोष जाट

उज्जैन। श्रद्धा पूर्वक उन जीवित अपने से अधिक आयु वालों को अपने सद्व्यवहार व सेवा से सन्तुष्ट रखना ही श्राद्ध व तर्पण हो सकता है। यदि हम माता-पिता, अन्य वृद्धों व आचार्यों, सभी को भोजन, वस्त्र व उनकी आवश्यकतानुसार धन आदि उन्हें देते हैं और वह हमारी इस सेवा व दान से प्रसन्न होते हैं तो हमारा यह कृत्य श्राद्ध व तर्पण में आता है।

उक्त विचार डॉ हंसा चतुर्वेदी ने आर्य समाज उज्जैन के साप्ताहिक सत्संग में श्रद्धा एवं तर्पण विषय पर व्यक्त किए। संस्कृत विद्वान डॉ प्रदीप चतुर्वेदी ने कहा की माता-पिता को सेवा की आवश्यकता तभी तक होती है जब तक की वह जीवित होते हैं। मरने के बाद अन्त्येष्टि द्वारा उनका शरीर भस्म हो जाता है अब चेतन तत्व हमारी व अन्यों की अनादि, अजर, अमर, आत्मा क्योंकि शरीर से पृथक हो जाती है अतः उसे भोजन की आवश्यकता नहीं होती। ईश्वर ने मनुष्य को बुद्धि इसलिए नहीं दी कि वह किसी भी कार्य को इस लिए करे कि उसके पूर्वज व अन्य लोग इस कार्य को करते चले आ रहे हैं अपितु इसलिए दी है कि वह प्रत्येक कार्य को सत्य व असत्य का विचार कर करे। संतोष जाट ने कहा यदि श्राद्ध को देखें तो इससे हमारे पुरोहितों को विशेष आर्थिक व भौतिक लाभ होता है। वह अच्छा भोजन करते हैं और उन्हें कुछ वस्तु भी दान स्वरूप भेंट करनी होती हैं। किसी कार्य आदि से जिस व्यक्ति को कोई लाभ होता है तो उसका वह संस्कार बन जाता है। उसे कितना ही कोई मना करे, वह उस कार्य को छोड़ता नहीं है। अतः मनुष्य को स्वयं ही सत्य व असत्य का विचार करना चाहिये और असत्य को छोड़कर सत्य को ग्रहण करना चाहिये।

वानप्रस्थि डॉ राम प्रसाद मालाकार ने कहा बुद्धि से विचार कर हमें केवल अपने जीवित माता-पिता व परिवार के सभी वृद्ध जनों जिन्हें हमारा भोजन, वस्त्र, ओषधि वा चिकित्सा आदि के रूप में किसी भी प्रकार से सेवा की आवश्यकता है, हमें कर्तव्य पूर्वक प्रतिदिन प्रातः व सायं उनकी यथोचित सेवा करनी चाहिये। यही मनुष्य धर्म व वैदिक धर्म है। प्रारंभ में प्रधान ललित नागर के पौरोहित्य में अमावस्या तिथि पर वेदमत्रों से देवयज्ञ में आहुतियां दी गई। यजमान के रूप में सुरेश पाटीदार, अयोध्या पाटीदार, संतोष कुमार जाट, अंबाराम वर्मा, वेदप्रकाश आर्य, पंकज पांचाल, रमेश पाटीदार यज्ञवेदी पर विराजित थे। सत्संग के प्रारंभ में ईश प्रार्थना विष्णु शर्मा ने किया। भजनों की प्रस्तुति संपत पाटीदार, श्रीमती सिरोलिया ने दी।

नागर ब्राह्मण समाज मनाएगा नवरात्र गरबा महोत्सव

उज्जैन। मध्यप्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद शाखा उज्जैन, हाटकेश्वर देवालय न्यास बंबाखाना उर्दू पुरा और हरसिद्धि पाल, नागर महिला मंडल एवं नागर युवक मंडल के तत्वाधान में आज सोमवार 22 सितंबर से देवास रोड़ स्थित शर्मा परिसर में पारम्परिक एवं सांस्कृतिक भव्यता के साथ नवरात्रि महोत्सव प्रारंभ होगा। युवा मंडल अध्यक्ष अमित नागर, महासचिव संजय जोशी ने बताया कि नागर ब्राह्मण परिषद अध्यक्ष विजय शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस महोत्सव में शर्मा परिसर को माताराणी के स्वागत हेतु आकर्षक मनोहारी साज सज्जा के साथ मुर्तरुप दिया गया है। नागर महिला मंडल अध्यक्ष नेहा प्रतिमा, लव मेहता ने बताया कि समाज की सभी बालिकाओं, किशोरियों और महिलाओं द्वारा इस दस दिवसीय नवरात्रि भक्ति महोत्सव में दो ताली, तीन ताली आदि।

शंख ध्वनि के साथ आज निकलेगी प्रभात फेरी

उज्जैन। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी अग्रसेन जयंती दिवस के उपलक्ष में उज्जैन अग्रवाल विकास समिति द्वारा आज 22 सितंबर सोमवार को प्रातः 7 बजे भव्य प्रभात फेरी निकाली जाएगी। शंख की ध्वनि के साथ प्रारंभ होने वाली प्रभात फेरी में रथ पर महाराज अग्रसेन सवार होंगे। विंटेज कार में महारानी माधवी के साथ महाराजा अग्रसेन होंगे।

अध्यक्ष शैलेंद्र मित्तल एवं संयोजक अजीत कविता मंगलम ने बताया कि प्रभातफेरी शहीद पार्क, फ्रीगंज से प्रारंभ होकर टॉवर चौक, इंदिरा गांधी चौराहा, राजकुमार रेस्टोरेन्ट होते हुए मुख्य मार्गो से निकलकर महाकाल इण्डेन गैस (एरन आई हॉस्पिटल) पर समाप्त होगी। प्रभातफेरी के समापन पर समाज जन के समक्ष लक्की ड्रॉ खोला जाएगा। जिसमें प्रभातफेरी समापन स्थल पर उपस्थित 11 लक्की विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रभातफेरी समापन के पश्चात स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गई है। अध्यक्ष शैलेन्द्र मित्तल, सचिव सुनील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अभय अग्रवाल, सांस्कृतिक सचिव पंकज अग्रवाल, संयोजक अजीत कविता मंगलम, पंकज रूपाली अग्रवाल, शिव मनीषा अग्रवाल, मयूर रितु अग्रवाल ने सभी अग्र बंधुओं, मातृशक्ति, युवा शक्ति सहित सभी अग्रबंधुओं से अग्रसेन जयंती दिवस पर आयोजित प्रभातफेरी में अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार पधारकर सामाजिक एकजुटता का परिचय देने का अनुरोध किया है।

'मृगतृष्णा' ने दिखाया अब विवाह संस्कार नहीं एक एग्रीमेंट हो गया

अग्रसेन साथिया ग्रुप ने दिखाई आदमी के भौतिकता के पीछे दौड़ने की कहानी

उज्जैन। 10 दिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में अग्रसेन साथिया ग्रुप द्वारा नाटक 'मृगतृष्णा' की प्रस्तुति दी गई।

अग्रसेन साथिया ग्रुप संस्थापक तृप्ति मित्तल के अनुसार निर्देशक जगरूप सिंह चौहान के निर्देशन में नाटक की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान संरक्षक सरोज अग्रवाल, भगवान दास एरन, विजय मित्तल सिध्दु भैया, राजेश गर्ग सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। नाटक के अंत में आभार पूजा मोदी, श्रद्धा गर्ग ने माना। तृप्ति मित्तल के अनुसार मृगतृष्णा नाटक आदमी के भौतिकता के पीछे दौड़ने की कहानी है। जिसके चलते जीवन में कई अव्यवस्था हो जाती है। उनमें से ही एक अव्यवस्था हमारे विवाह संस्कार की भी है। विवाह की उम्र करियर बनाने के चक्कर में बढ़ते बढ़ते 30, 32, 35 वर्ष तक पहुंच गई है। यह नाटक शुरू होता है मनु शतरूपा के साथ, जो सृष्टि के प्रारंभ में पहले वैवाहिक दंपति थे। फिर बड़े ही रोचक तरीके से समय के साथ विवाह के अन्य प्रकार बताएं गए और बदलते बदलते आज के दौर में विवाह की क्या स्थिति हो गई उसको इस नाटक ने रेखांकित किया।

इसमें सूत्रधार रामू भाई और धापू बाई बड़े रोचक ढंग से इस कहानी को लेकर चलते हैं और विवाह के दृश्यों के माध्यम से बदलते परिदृश्य को समझाते हैं कि कैसे हम धीरे-धीरे अपनी संस्कृति संस्कार भूल कर सिर्फ पैसों के पीछे भाग रहे हैं। अब विवाह संस्कार नहीं एक एग्रीमेंट हो गया है। अंत में राम मृगतृष्णा में उलझी सीता को रावण वध कर मुक्त कर देते है। प्रतीक और संकेतों के माध्यम से रचा बुना यह नाटक प्रेक्षकों को कई सामाजिक बुराइयों पर सोचने के लिए विवश करता है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा विंग ने किया दिग्विजय सिंह सम्मान

उज्जैन। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा विंग उज्जैन संभाग द्वारा दिग्विजय सिंह चौहान को अ.भा. क्षत्रिय महासभा युवा विंग में प्रदेश महामंत्री बनने पर पुष्पमाला व साफा बांधकर सम्मान किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा शिव सिंह परिहार, प्रदेश अध्यक्ष युवा चंद्रविजय सिंह चौहान, कार्य. संभाग अध्यक्ष संजय सिंह गौड़, कृष्णा परिहार, जिला उपाध्यक्ष युवा अरविंद सिंह ठाकुर, शुभम सिंह परिहार एवं अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पमाला पहनाकर अ.भा क्षत्रिय महासभा कार्यालय पर बधाई दी गई। कृष्णा परिहार ने आभार माना एवं बताया दिग्विजय सिंह चौहान के प्रदेश महामंत्री बनने से संगठन के युवाओं में भारी उत्साह है एवं उज्जैन संभाग के लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com